आनंदालय

वार्षिक पूर्व परीक्षा

कक्षा : बारहवीं

विद्या सर्वार्थि साधिका

विषय : हिंदी (302) अधिकतम अंक : 80

दिनांक : 18-12-2024 निर्धारित समय : 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

निम्नलिखित निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

1- प्रश्न-पत्र तीन खण्डों – क, ख और ग में विभाजित है |

2-खण्ड- 'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं | सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं |

3-खंड- 'ख' में अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |

4-खंड 'ग' में आरोह भाग-2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |

5-प्रश्न पत्र में कुल 12 प्रश्न हैं |

6-यथा संभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

खंड– 'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर ए गए प्रश्नों के उदित्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

अच्छी बात करने वाला सभी का मान – सम्मान हासिल करता है, जबकि अनावश्यक रूप से तिक्त (तीखा या चटपटा) बात करने वाला अपने तमाम गुणों के बावजूद समाज में समुचित सम्मान नहीं प्राप्त कर पाता । बात व्यक्तिगत संबंधों की करें या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की, हर जगह बातों की जादूगरी का बोलबाला है । बातों ने बड़े से बड़े युद्ध को रोका है तो बड़ा से बड़ा युद्ध करवाया भी है ।

बातों की महत्ता इससे साबित होती है कि वह सकारात्मक भाव से कही जा रही हैं या नकारात्मक भाव से | बातें किसी के दिल से निकली हों, वे राग या विराग होती हैं । इसका असर बोलने और सुनने वाले दोनों पर होता है । कबीर कहते हैं – 'ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय, औरन को शीतल करे, आपहुँ शीतल होए ।'

किसी व्यक्ति की सफलता इन्हीं तहों से होकर गुजरती है । व्यक्ति की बातें उसके व्यक्तित्व का आइना होती हैं | पहले धैर्य के साथ सुनना, समझना, मनन करना, फिर बोलना, यह कला जिस व्यक्ति में होती है वह जीवन की हर बाजी को जीतने की क्षमता रखता है । कोई नौकरीपेशा हो, व्यापारी हो, कलाकार हो या अन्य कार्य करता हो, सभी की सफलता और स्थायित्व के लिए वाक् पटुता आवश्यक है । बातों के संदर्भ में एक आवश्यक बात यह भी है की व्यक्ति की कथनी और करनी में सामंजस्य आवश्यक है | 'कहना कुछ, करना कुछ जैसी चीजें पूरे समाज को चोटिल करती है | आजीवन वास्तविक साधुत्व को जीते राष्ट्रपिता गांधी के विवेकपूर्ण और ओजस्वी व्यक्तित्व क्षमता के आगे शक्तिशाली विरागी औरतें और आम लोग नतमस्तक हो जाते थे |

(i) बात का महत्त्व किस पर आधारित होता है - (1)

(क) माहौल पर (ख) सकारात्मक या नकारात्मक होने पर

(ग) संवेदनाशीलता पर (घ) बोलने-सुनने वालों पर

(ii) बापू के आचरण में हमें क्या नहीं मिलेगा ? (1)

(क) कथनी और करनी में समानता (ख) साधुत्व

(ग) जीतने की इच्छा (घ) वाक् पटुता

(iii) निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए - (1)

कथन (i) : बात में सकारात्मक – नकारात्मक ऊर्जा होती है ।

कथन (ii) : बात सम्मान – अपमान का आधार हो सकती है ।

कथन (iii) : विवाद का समाधान बात पर आधारित होता है ।

कथन (iv) : तिक्त बात करने वाले गुनी होते हैं ।

गद्यांश के अनुसार कौन –सा/से कथन सही हैं ?

(क) केवल कथन (i) और ii) सही हैं ।

(ख) केवल कथन (ii) सही हैं ।

(ग) केवल कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं ।

(घ) केवल कथन (iii) और (iv) सही हैं ।

(iv) व्यक्ति की सफलता का मार्ग क्या है ? (1)

(v) युद्ध करवाने और रोकने की जादूगरी की आधार भूत बातें कैसे हो सकती हैं **?** (2)

(vi) कबीर के दोहे में वाणी की शीतलता का का क्या तात्पर्य है ? (2)

(vii) कथनी और करनी का भेद समाज को कैसे चोट पहुँचाता है **?** (2)

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

एक बार मुझे आँकड़ों की
उल्टियाँ होने लगीं
गिनते गिनते जब संख्या
करोड़ों को पार करने लगी
मैं हो गया बेहोश
होश आया तो पता चला कि
मैं बेहोश अस्पताल में लाया
गया था
खून चढ़ाया जा रहा था
ऑक्सीजन दी जा रही थी
डॉक्टर मुझे बुरी तरह हँसी
आ रही
यह हँसाने वाली गैस है
शायद
प्राण बचने वाला नहीं
तुम मुझे हँसाने पर मज़बूर
नहीं कर सकते
इस देश में हर एक को
अफ़सोस के साथ जीने का
पैदाइशी हक़ है वरना
कोई मायने नहीं रखते
हमारी आज़ादी और प्रजातंत्र
बोलिए नहीं – नर्स ने कहा- बेहद
कमजोर हैं आप
बड़ी मुश्किल से काबू में आया है
रक्तचाप
डॉक्टर ने समझाया – आँकड़ों का
वाइरस
बुरी तरह फ़ैल रहा आजकल
सीधे दिमाग पर असर करता
भग्यवान हैं आप कि बच गए
कुछ भी हो सकता था आपको

(i) कवि हमें उलझन में न पड़ने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि कवि के अनुसार - कथन - (1)

कथन **(i)** : आँकड़ो से सच छुपाया जा सकता है **|**

कथन **(ii)** : आँकड़ो से आज़ादी में बाधा उत्पन्न की जा सकती है **|**

कथन **(iii)** : आँकड़ो से अफसोस उत्पन्न होता है **|**

कथन **(iv)** : आँकड़ो से हँसाया जा सकता है **|**

विकल्प

(क) केवल कथन (**i)** सही है।

(ख) केवल कथन **(iii)** सही हैं।

(ग) केवल कथन (**ii)** और (**iii)** सही हैं।

(घ) केवल कथन (**i)** और (**iv)** सही हैं।

(ii) कवि की हँसी का संभावित कारण था - (1)

(क) खून तथा ऑक्सीजन चढ़ाया जाना

(ख) हँसाने वाली गैस

(ग) गलत और झूठे आँकड़े

(घ) आंकड़ों की उल्टियाँ

(iii) कॉलम-1 को कॉलम-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए - (1)

कॉलम-1		कॉलम-2	
I	आज़ादी और प्रजातंत्र	(1)	गुमराह रखने का हथियार
II	आंकड़ों का वाइरस	(2)	यथार्थ में रहना
III	अफ़सोस	(3)	सच जानने का अधिकार

(क) I-(2), II-(1), III-(3)

(ख) I-(1) II-(3), III-(2)

(ग) I-(1), II-(2), III-(3)

(घ) I-(3), II-(1), III-(2)

(iv) "आँकड़ों की उल्टियाँ"**–** से कवि का क्या तात्पर्य है **?** (1)

(v) आँकड़ों का वाइरस सीधे दिमाग़ पर कैसे असर करता है **?** (2)

(vi) डॉक्टर के अनुसार कवि के साथ कुछ भी हो सकने का क्या तात्पर्य है **?** (2)

खंड-'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम)

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक (अप्रत्याशित) लेखन लिखिए :- **(6x1=6)**

(क**)** अत्यधिक भोजन करने की संस्कृति और स्वास्थ्य पर इसके कुप्रभाव

(ख**)** धार्मिक उन्माद का ज़हर

(ग**)** डमी विद्यालयों का बढ़ता प्रभाव: विद्यार्जन में बाधक और स्वार्थान्धता

4. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए:- **(2x4=8)**

(i) आपने अनेक कविताएँ पढ़ी होंगी | उनमें से आपको कौन-सी कविता सबसे अच्छी लगी ? लिखिए और यह भी बताइए कि आपको यह कविता क्यों अच्छी लगी **?**

(ii) नाटक की कहानी बेशक भूतकाल या भविष्य काल से संबद्ध हो, तब भी उसे वर्तमान काल में ही घटित होना पड़ता है- इस धारणा के पीछे क्या कारण हो सकते हैं ?

(iii) एक अच्छी कहानी लिखने के लिए कौन-सी प्रमुख बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है **?**

(iv) संपादक के कार्य लिखिए।

(v) रेडियो नाटक कैसे लिखे जाते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए |

5. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :- **(4x2=8)**

(i) इंटरनेट पत्रकारिता सूचनाओं को तत्काल उपलब्ध कराता है, परंतु इसके साथ ही उसके कुछ दुष्परिणाम भी हैं। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ii) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

(iii) विशेष लेखन क्या है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए |

खंड-'ग' (साहित्य: आरोह, वितान-2)

6 . निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :- **(5x1=5)**

उहाँ राम लछिमनहि निहारी। अब अपलोकु सोकु सुत तोरा।
बोले बचन मनुज अनुसारी । सहिहि निठुर कठोर उर मोरा।
अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ। निज जननी के एक कुमारा।
राम उठाइ अनुज उर लायउ ।। तात तासु तुम्ह प्रान अधारा।।
सकहु न दुखित देखि मोहि काउ । सौंपेसि मोहि तुम्हहि गहि पानी।
बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ ।। सब बिधि सुखद परम हित जानी।।
मम हित लागि तजेहु पितु माता। उतरु काह दैहउँ तेहि जाई।
सहेहु बिपिन हिम आतप बाता ।। उठि किन मोहि सिखावहु भाई।।
सो अनुराग कहाँ अब भाई ।। बहु बिधि सोचत सोच बिमोचन।
उठहु न सुनि मम बचन बिकलाई। स्रवत सलिल राजिव दल लोचन ।।
जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू। उमा एक अखंड रघुराई।
पिता बचन मनतेउँ नहिं ओहू ।। नर गति भगत कृपाल देखाई।।

(i) 'निज' जननी के एक कुमारा' पंक्ति किस पात्र ने कही है**?**
(क) भारत ने (ख) राम ने (ग) लक्ष्मण ने (घ) हनुमान ने

(ii) श्री राम जी ने लक्ष्मण के विषय में निम्न में से क्या टिप्पणी नहीं की ? सर्वोत्तम विकल्प का चयन कीजिए।
(क) लक्ष्मण जी राम के प्रति बहुत विनम्र थे, राम को कभी दुखी नहीं देख सकते थे ।
(ख) लक्ष्मण राम के लिए माता-पिता को त्याग कर राम की सेवा में सदैव तत्पर थे ।
(ग) लक्ष्मण राम से जलन करने वाले और राम से शक्तिशाली थे ।
(घ) लक्ष्मण ने राम की सेवा के लिए महलों का सुख भी त्याग दिया।

(iii) 'सकहु न दुखित देखि मोहि काउ। बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ ।' पंक्ति में अलंकर है -
(क) रूपक (ख) पुनरुक्ति प्रकाश (ग) अनुप्रास (घ) उपमा

(iv) 'निज जननी के एक कुमारा। तात तासु तुम्ह प्रान अधारा।' का आशय है -
(क) राम के प्रिय (ख) माता सुमित्रा के प्राण आधार
(ग) भरत के प्राण आधार (घ) माता कैकेई के प्राण आधार

(v) शिव जी ने पारवती जी से कहा -
(क) राम दिखावा कर रहे हैं (ख) राम विष्णु के अवतार हैं
(ग) राम नर लीला कर रहे हैं (घ) राम संकठमोचन हैं

7. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए:- **(3x2=6)**

(i) कवि ने किस क्रूरता का चित्रण किया है ? कैमरे में बंद अपाहिज कविता के आधार पर लिखिए|

(ii) चौकोने छोटे खेत को कवि ने कागज़ का पन्ना क्यों कहा है ? उस खेत में "रोपाई से कटाई के क्षण की अनंतता" कैसी दृष्टिगोचर होते हैं ?

(iii) 'रुबैयाँ' कविता का सारगर्भित प्रतिपाद्य लिखिए **|**

8. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए:- **(2x2=4)**

(i) 'आत्मपरिचय' कविता में कवि ने अपने जीवन में किन परस्पर विरोधी बातों का सामंजस्य बिठाने की बात की है?

(ii) 'बात सीधी थी पर' कविता में कवि क्या कहते हैं? तर्क सहित उत्तर लिखिए |

(iii) 'कविता के बहाने' कविता का सारगर्भित संदेश लिखिए |

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :- **(5x1=5)**

एक बार वह 'दंगल' देखने श्यामनगर मेले में गया था । पहलवानों की कुश्ती और दाँव-पेंच देखकर उससे नहीं रहा गया। जवानी की मस्ती और ढोल की ललकारती हुई आवाज ने उसकी नसों में बिजली उत्पन्न कर दी। उसने बिना कुछ सोचे-समझे दंगल में 'शेर के बच्चे' को चुनौती दे दी। 'शेर के बच्चे' का असल नाम था चाँद सिंह। वह अपने गुरु पहलवान बादल सिंह के साथ पंजाब से पहले-पहल श्यामनगर मेले में आया था। सुंदर जवान, अंग-प्रत्यंग से सुंदरता टपक पड़ती थी। तीन दिनों में ही पंजाबी और पठान पहलवानों के गिरोह के अपनी जोड़ी और उम्र के सभी पट्ठों को पछाड़कर उसने 'शेर के बच्चे' की टाइटल प्राप्त कर ली थी। इसलिए वह दंगल के मैदान में लैंगोट लगाकर एक अजीब किलकारी भरकर छोटी दुलकी लगाया करता था। देशी नौजवान पहलवान उससे लड़ने की कल्पना से भी घबराते थे। अपनी टायटिल को सत्य प्रमाणित करने के लिए ही चाँद सिंह बीच-बीच में दहाड़ता फिरता था।

शांत दर्शकों की भीड़ में खलबली मच गई-'पागल है पागल, मरा-ऐं! मरा-मरा !'' पर वाह रे बहादुर! लुट्टन बड़ी सफाई से आक्रमण को सँभालकर निकलकर उठ खड़ा हुआ और पैंतरा दिखाने लगा। लुट्टन ढोलक भी अच्छा बजाता था | राजा साहब ने कुश्ती बंद करवाकर लुट्टन को अपने पास बुलवाया और समझाया। अंत में, उसकी हिम्मत की प्रशंसा करते हुए, दस रुपये का नोट देकर कहने लगे-'जाओ, मेला देखकर घर जाओ!' अंततः लुट्टन ने ढोलक की प्रेरणा से विजय प्राप्त की |

(i) लुट्टन कौन-सा बाद्ययंत्र बजाने का आदी था ?

(क) सितार (ख) हारमोनियम (ग) ढोलक (घ) तानपुरा

(ii) लुट्टन ने किसकी प्रेरणा से कुश्ती में विजय प्राप्त की ?

(क) ढोलक की (ख) राजा साहब की (ग) लोगों की (घ) शिक्षकों की

(iii) राजा साहब ने कुश्ती बंद करवा दी क्योंकि -

(क) क्योंकि लुट्टन को समझदारी नहीं थी (ख) क्योंकि लुट्टन बातुनी था

(ग) क्योंकि जनता नहीं चाहती थी (घ) क्योंकि लुट्टन को कमजोर समझते थे

(iv) देशी नौजवान किस पहलवान से लड़ने की कल्पना से ही घबराते थे-

(क) लुट्टन (ख) रेखा सिंह (ग) चाँद सिंह (घ) दारा सिंह

(v) 'पहलवान की ढोलक' कहानी के लेखक हैं -

(क) महादेवी वर्मा (ख) फणीश्वर नाथ रेणु (ग) धर्मवीर भारती (घ) विष्णु खरे

10. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए:- **(3x2=6)**

(i) भक्तिन का अतीत परिवार और समाज की किन समस्याओं से जूझते हुए बीता है ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ii) निबंधकार ने किस तरह कोमल और कठोर दोनों भावों का सम्मिश्रण शिरीष के माध्यम से किया है ?

(iii) डॉ० आंबेडकर के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए – "गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है ।" क्या आज भी यह स्थिति विद्यमान है ?

11. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए:- **(2x2=4)**

(i) पहलवान लुट्टन सिंह को राजा साहब की कृपादृष्टि कब प्राप्त हुई ? वह उन सुविधाओं से वंचित कैसे हो गया?

(ii) डॉ० भीमराव की कल्पना के आदर्श समाज की आधारभूत बातें संक्षेप में समझाइए। आदर्श सामाज की स्थापना में डॉ० अम्बेडकर के विचारों की सार्थकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(iii) बाज़ार का जादू क्या है ? उसके चढ़ने-उतरने का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

12. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए:- **(5x2=10)**

(i) आज पारिवारिक संबंध आर्थिक संबंधों पर ज्यादा निर्भर रहते हैं, स्पष्ट करें।

(ii) कहानीकार के शिक्षित होने के संघर्ष में दत्ताजी राव देसाई के योगदान को जूझ' कहानी के आधार पर लिखिए |

(iii) सिंधु घाटी की सभ्यता को जलसभ्यता कहने का प्रमाण प्रस्तुत करते हुए बताइए कि वर्तमान में जल संरक्षण क्यों आवश्यक हो गया है ?